सम — सीमांत उपयोगिता नियम अनेक मान्यताओं पर आधारित है। प्रमुख मान्यताएँ निम्नांकित है।

Scanned with CamScanner

(i) उपभोक्ता विवेकशील (rational) व्यक्ति है जिसका उद्देश्य अपनी सीमित आय द्वारा अधिकतम संतुष्टि प्राप्त करना होता है।

(ii) उपभोक्ता की आय निश्चित या स्थिर होती है।

(iii) वस्तु की कीमतें निश्चित होती हैं।

(iv) वस्तुओं का सूक्ष्म या छोटी - छोटी इकाइयों में विभाजन संभव है।

(v) उपयोगिता की माप संभव है।

(vi) उपभोक्ता को बाजार स्थिति का ज्ञान है अर्थात पूर्ण प्रतियोगिता की स्थिति वर्तमान होती है।

सम - सीमांत उपयोगिता नियम की आलोचनाएँ या सीमाएँ

यह सही है की उपयोगिता अपनी आय द्वारा अधिकतम संतुष्टि प्राप्त करने की चेष्टा करता है तथा वह इसके लिए सम - सीमांत उपयोगिता नियम सहारा लेता है। लेकिन यह बात भी सत्य है की इस नियम की क्रियाशील के रास्ते में अनेक कठनाइयाँ होती हैं, जो इस नियम की सीमाएँ होती हैं। बहुत सी सीमाएँ उपयोगिता की माप से संबंधित हैं। इस नियम की दूसरी प्रमुख कठनाइयाँ या सीमाएँ निम्नांकित हैं।

(i) उपयोगिता की माप - संबधी कठनाइयाँ — यह कहा जाता है की उपयोगिता की माप करना कठिन है लेकिन इस नियम में उपयोगिता की माप को संभव माना गया है। आलोचको का कहना है की उपयोगिता एक मानसिक धारणा है इसकी माप कठिन है, साथ ही यह सापेक्ष।

Ajanta Oxford

Scanned with CamScanner

भी गलत है कि मुद्रा की सीमांत उपयोगिता एक समान रहती है। वास्तव में मुद्रा की मात्रा में परिवर्तन से मुद्रा की सीमांत उपयोगिता बदल जाती है। मुद्रा की मात्रा बढ़ने से उसकी सीमांत उपयोगिता घटती है।

Scanned with CamScanner